Title: Request the Central Government to provide statehood to Chattisgarh, Uttranchal and Vananchal.

श्री मोतीलाल वोरा (राजनांदगांव): माननीय सभापति महोदय, केन्द्र सरकार तीन छोटे राज्यों छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और वनांचल बनाने की घोषणा की थी

... (व्यवधान)

श्री प्रभाष चन्द्र तिवारी (भागलपुर): सभापति महोदय, खादों पर अभी ब्लैक चालू है इस पर क्या कंट्रोल किया जा रहा है। हर स्टेट में किसानों के लिए खाद का बार-बार आपूर्ति न होने के कारण या उसको छुपाकर रखने के कारण वहां इसका ब्लैकमार्केटिंग हो रही है।

... (व्यवधान)

श्री मोतीलाल वोरा :माननीय सभापति जी, केन्द्र सरकार ने तीन छोटे राज्य बनाने की बार-बार घोषणा की थी। अभी विधान सभा और लोक सभा के चुनाव में केन्द्रीय सरकार के मंत्रियों ने छत्तीसगढ़ के लोगों को आश्वासन दिया था कि दिसम्बर तक हम इस बिल को पास करा लेंगे। लेकिन इसमें सरकार की नीयत साफ नजर नहीं आती। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से साफ हो गई है और इसलिए इस बिल को लाने में आना-कानी कर रही है। छत्तीसगढ़ की जनता इससे पूरी तरह आक्रोशित हो चुकी है कि केन्द्रीय मंत्रियों के जवाब और उनके द्वारा दिये गये आश्वासन आज तक पूरे नहीं हुए हैं। मैं आपके माध्यम से निवेदन करूंगा कि केन्द्रीय सरकार ने अपने घोषणा पत्र में जो तीन वायदे छत्तीसगढ़, उत्तरांचल और वनांचल राज्य बनाने के बारे में किये थे, उनको पूरा करे।

... (व्यवधान)

>

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): वनांचल के बिल को विधान सभा ने रिजेक्ट कर दिया। इनकी उस बिल को लाने की हिम्मत नहीं है और अगर लायेंगे तो हम इनके छक्के छुड़ा देंगे।

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह सब जगह से हारे हैं। बिहार का बंटवारा नहीं हो सकता।

... (व्यवधान)

>

श्री अजीत जोगी (रायगढ़): सभापति महोदय, यह एक संवेदनशील मसला है। मैं दूसरे स्थानों की बात नहीं कर रहा हूं, मैं केवल छत्तीसगढ़ की बात कर रहा हूं। उत्तराखंड के बारे में कुछ विवाद हो सकता है, झारखंड के बारे में कोई विवाद हो सकता है, लेकिन छत्तीसगढ़ के बारे में कोई विवाद नहीं है। भारतीय जनता पार्टी सहमत है, कांग्रेस सहमत है। भारतीय जनता पार्टी के और हमारे सभी सहयोगी दल सहमत हैं। वहां की विधान सभा ने एक नहीं बल्कि दो बार सर्वसम्मत प्र ास्ताव पारित कर दिया है। वहां की जनता भी यह चाहती है। आपने वायदा भी किया है। सार्वजनिक रूप से वायदा किया है। वैसे आपने बहुत से वायदे किए हैं जिनको पूरा नहीं किया है, लेकिन मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह आग्रह है कि अगर आपने छत्तीसगढ़ का अलग राज्य बनाने का अपना वायदा पूरा नहीं किया तो छत्तीसगढ़ की दो करोड़ आदिवासी और दलित जनता की हाय आपको लगेगी। अभी विधान सभा के चुनावों में आपको एक हाय लगी, तो आप हार गए। इसलिए मेरा निवेदन है कि यदि आपको दो जगह उत्तराखंड और झारखंड राज्य बनाने में कोई दिक्कत आ रही है, तो उनका विधेयक न लाएं, लेकिन छत्तीसगढ़ का अलग राज्य बनाने में आपको कहीं भी कोई दिक्कत नहीं है इसलिए उसके बारे में बिल इसी सत्र में लाएं।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : He is on the same matter.

श्री राजवीर सिंह (आंवला): अध्यक्ष महोदय, उत्तरांचल, झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्य तो बनने वाले हैं ही, लेकिन ये क्यों घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं?

... (व्यवधान)

>

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): जोगी जी, यदि आप छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री बनने वाले हैं, तो मैं स्टेटमेंट दूं, यदि नहीं, तो मैं दूसरी स्टेटमेंट दूंगा।

... (व्यवधान)

श्री अजीत जोगी : जिस प्रकार से आपका सहयोग इस बार के विधान सभा चुनावों रहा और मेरे साथ हमेशा रहा है, उसी प्रकार आगे आपका सहयोग रहा, तो मैं मुख्य मंत्री बन जाऊंगा।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Hon. Minister is reacting to this point.

श्री मदन लाल खुरानाः मैं स्पष्ट रूप से इस सदन में कहना चाहता हूं कि वनांचल, उत्तरांचल और छत्तीसगढ़ राज्यों के गठन का जिक्र हमारे मैनीफैस्टो में है। हमने उनके लिए कार्रवाई शुरू की, कैबीनेट ने उसको पास किया, राष्ट्रपति के पास भेजा, संबंधित राज्यों के पास भेजा। केवल बिहार विधान सभा में अपोजीशन ने वाक-आउट किया है और जो प्रस्ताव बिहार ने भेजा है वह हमारे पास है। हम अपने वचन पर अडिग हैं, अटल हैं और छत्तीसगढ़ का एक अलग राज्य निश्चित रूप से बनेगा।

... (व्यवधान)

श्री अजीत जोगी : लेकिन कब?

श्री मदन लाल खुरानाः सदन के इसी सत्र में।

... (व्यवधान)

श्री अजीत जोगी (रायगढ़): तो फिर इसी सत्र में विधेयक क्यों नहीं लाते, पूरा सदन तैयार है?

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: No cross-talking, please.

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह :जिस राज्य को बनाने के लिए तैयार हैं, उस राज्य का विधेयक लाइए, लेकिन बिहार तैयार नहीं है। मैं पूरे सदन को आगाह करना चाहता हूं। कल पटना में और बिहार के कोने-कोने में रैली है।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः आपने जिस विधान सभा से उस प्रस्ताव को पास कराया, उसी से उलटवा दिया, क्यों?

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : इसका जवाब कल की रैली में दिया जाएगा। बिहार के टुकड़े नहीं हो सकते हैं। बिहार नहीं बंट सकता है?

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: No commentaries, please.

श्री मदन लाल खुरानाः जैसा मैंने छत्तीसगढ़ के बारे में कहा, हमारा वचन है। उसके गठन के लिए हम विधेयक इसी सत्र में लाएंगे।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Ajit Jogi, please sit down.